(A No. 122) कृषि शिक्षा: कल और आज की सबसे बड़ी ज़रूरत

रोहताश कुमार
कृषि विस्तार विभाग
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

भारत की पहचान एक **कृषि प्रधान देश** के रूप में है। हमारी अर्थव्यवस्था, हमारी संस्कृति, और हमारी खाद्य सुरक्षा (Food Security) सीधे तौर पर कृषि से जुड़ी हुई है। ऐसे में, यदि देश के इस सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को उन्नत करना है, तो हमें **कृषि शिक्षा** को सिर्फ एक वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि **राष्ट्रीय विकास का आधार** मानना होगा। कृषि शिक्षा क्यों आवश्यक है, यह समझना आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

1. खाद्य सुरक्षा और बढ़ती जनसंख्या की चुनौती

भारत की जनसंख्या तेज़ी से बढ़ रही है। **2050** तक इस विशाल आबादी के लिए **खाद्य सुरक्षा** सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। यह काम केवल पारंपरिक तरीकों से नहीं किया जा सकता।

- **उत्पादकता में वृद्धि:** कृषि शिक्षा किसानों और वैज्ञानिकों को **उच्च उपज वाली किस्मों (High-Yielding Varieties)**, उन्नत सिंचाई तकनीकों और सटीक कृषि (Precision Farming) के बारे में ज्ञान प्रदान करती है। इससे कम भूमि पर अधिक उत्पादन संभव हो पाता है।

- **फसलों की सुरक्षा:** कीटों और बीमारियों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कृषि विज्ञान में प्रशिक्षित पेशेवर **वैज्ञानिक और प्रभावी समाधान** ढूंढते हैं, जिससे फसल का बर्बाद होना कम होता है।

2. आधुनिक तकनीक और ज्ञान का समावेश

आज की खेती केवल हल-बैल तक सीमित नहीं है। यह एक **ज्ञान-आधारित उद्योग** बन चुका है।

- **स्मार्ट फार्मिंग (Smart Farming):** कृषि शिक्षा छात्रों को **ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)**, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और सेंसर आधारित खेती का ज्ञान देती है। ये तकनीकें किसानों को मिट्टी की नमी, पोषण और मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर सटीक निर्णय लेने में मदद करती हैं।
- **वैज्ञानिक भूमि प्रबंधन:** मिट्टी की सेहत (Soil Health) आज एक बड़ी समस्या है। कृषि शिक्षा यह सिखाती है कि मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने के लिए **संतुलित उर्वरक उपयोग** और फसल चक्रण (Crop Rotation) कैसे करें, जिससे ज़मीन की गुणवत्ता खराब न हो।
- **मूल्य संवर्धन (Value Addition):** कृषि उत्पादों को सीधे बेचने के बजाय, शिक्षा हमें सिखाती है कि उन्हें संसाधित (Process) करके **जैम, चटनी, आटा या पैकेज्ड उत्पाद** कैसे बनाया जाए। इससे किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर पाते हैं।

कृषि विज्ञान की मासिक पत्रिका

3. पर्यावरण और टिकाऊ कृषि (Sustainable Agriculture)

जलवायु परिवर्तन (Climate Change) ने कृषि को सबसे ज़्यादा प्रभावित किया है। कृषि शिक्षा हमें पर्यावरण-अनुकूल खेती के तरीके सिखाती है।

- **जलवायु अनुकूल कृषि:** कृषि वैज्ञानिक ऐसी फसलें विकसित करते हैं जो **सूखे या अत्यधिक वर्षा** जैसी चरम मौसमी परिस्थितियों का सामना कर सकें।
- **टिकाऊ पद्धतियाँ:** यह **जैविक खेती (Organic Farming)**, प्राकृतिक खेती, और जल संरक्षण की तकनीकों को बढ़ावा देती है। यह सिखाती है कि **रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों** पर निर्भरता कैसे कम की जाए, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों की रक्षा हो।
- **संसाधन दक्षता:** जल की कमी एक गंभीर संकट है। कृषि शिक्षा **बूंद-बूंद सिंचाई (Drip Irrigation)** और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों का ज्ञान देती है, जो पानी का सदुपयोग सुनिश्चित करती है।

4. रोज़गार और उद्यमिता (Entrepreneurship) के अवसर

कृषि शिक्षा केवल खेती तक सीमित नहीं है; यह एक विशाल **करियर इकोसिस्टम** का निर्माण करती है।

- **नए रोज़गार क्षेत्र:** कृषि शिक्षा प्राप्त युवा अब केवल किसान नहीं, बल्कि **कृषि वैज्ञानिक, कृषि अभियंता, पशु चिकित्सक, कृषि पत्रकार, कृषि सलाहकार** और **एग्री-टूरिज्म** उद्यमी बन सकते हैं।

- **ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा:** शिक्षा से लैस युवा ग्रामीण क्षेत्रों में **सीड प्रोसेसिंग यूनिट, कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट** या **एग्री-स्टार्टअप** शुरू कर सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा होता है।
- **सरकारी और निजी नौकरियां:** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (**ICAR**) और विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालय (SAUs) में वैज्ञानिक और शोधकर्ता के पद, साथ ही उर्वरक, बीज और कृषि उपकरण कंपनियों में तकनीकी पदों की भरमार है।

5. कृषि को एक आकर्षक पेशा बनाना

आज का युवा, जो खेती को "कम आकर्षक" मानता है, उसे कृषि शिक्षा से यह पता चलता है कि यह क्षेत्र कितना **लाभदायक और वैज्ञानिक** हो सकता है।

- **किसानों का सशक्तिकरण:** शिक्षित किसान बेहतर **बाज़ार की समझ** रखते हैं। वे फसल बीमा, सरकारी योजनाओं और कीमतों के उतार-चढ़ाव को वैज्ञानिक तरीके से समझते हैं, जिससे उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिलता है और वे कर्ज के जाल से बचते हैं।
- **मानसिकता में बदलाव:** कृषि शिक्षा एक **पारंपरिक पेशा** होने के बजाय, खेती को एक **सम्मानजनक और तकनीकी व्यवसाय** के रूप में स्थापित करती है, जिससे प्रतिभाशाली युवा इस क्षेत्र की ओर आकर्षित होते हैं।

निष्कर्ष

कृषि शिक्षा भारत के भविष्य की आधारशिला है। यह एक ऐसी **निवेश** है जो **खाद्य सुरक्षा, आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण समृद्धि** के रूप में देश को वापस मिलता है। नई शिक्षा नीति में कृषि शिक्षा को प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर जोड़ने की बात की गई है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान और तकनीक खेतों के कोने-कोने तक पहुँचे, ताकि हमारा **अन्नदाता** केवल कड़ी मेहनत ही न करे, बल्कि **स्मार्ट तरीके से काम करके** देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सके।